खण्ड – 5 संख्या – 15

बिहार विधान–सभा वाद–वृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

भाग –1

(कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

बुधवार, तिथि 10 सितम्बर, 1986 ई०

गलत भुगतान की जाँच :

2025 **श्री शिबू सोरेन** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य एवं प.क. विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :–

1. क्या यह बात सही है कि श्री अविनाश चन्द्र वर्मा, दुमका जिले के जामा प्रखण्डों से स्वच्छता निरीक्षक के पद से 31 जनवरी 1983 को अवकाश ग्रहण किये है;

2. क्या यह बात सही है कि श्री वर्मा का जून 82 से जनवरी 83 तक का लंबित यात्रा भत्ता को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जामा ने रद्द कर दिया था;

3. क्या यह बात सही है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने यात्रा भत्ता रद्द करने के बावजूद श्री वर्मा को जून एवं अगस्त, 83 का यात्रा भत्ता भुगतान वर्ष 1983 में कराया;

4. यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त यात्रा भत्ता के भुगतान में हुई गड़बड़ी की जाँच कर संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

श्री दिनेश कुमार सिंह : 1. उत्तर स्वीकारात्मक है।

2. सिविल सर्जन, दुमका के प्रतिवेदन के अनुसार श्री वर्मा का कार्य असंतोषप्रद रहने के कारण इनका यात्रा भत्ता विपत्र माह जून, 82 से जनवरी, 83 तक का प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जामा द्वारा रद्द कर दिया गया था।

3. उत्तर स्वीकारात्मक है पर जून एवं अगस्त 83 का नहीं बल्कि जून एवं अगस्त 82 की यात्रा भत्ता का भुगतान श्री वर्मा की दयनीय हालत को देखते हुए विशेष परिस्थिति में किया गया है।

4. सिविल सर्जन, दुमका को निदेशित किया जा रहा है कि वस्तुस्थिति की पूर्ण जाँच कर,, प्रतिवेदन अपने मन्तव्यों के साथ भेजे। जाँच प्रतिवेदन प्राप्ति के उपरान्त गुण–दोष के आधार पर नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पर कार्रवाई की जायेगी।

पुल निर्माण में विलम्ब का औचित्य :

श्री विशेश्वर खाँ : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :–

1. क्या यह बात सही है कि दुमका नाला भाया–मसलिया कुण्डहीत सड़क के दक्षिण छोर पर अजय नदी पर एक पुल निर्माण योजना पिछले तीन वर्षों से सरकार के पास लंबित है। अष्टम योजना के लिए केन्द्र सरकार से आवंटन भी मिला है;

2. यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो उक्त स्थान पर पुल निर्माण में विलम्ब का क्या कारण है और कबतक सरकार इस योजना को पूरा करेगी ?

श्री हरिहर महतो : 1. उत्तर अंशतः स्वीकारात्मक है। अजय नदी पर पुल निर्माण के लिए केन्द्र सरकार ने अभी 50.00 लाख रु०